Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

PARADISE
DELUXE

Sales Depot ☎ 237624
Paradise Stationers
Opp. Hotel Gulmarg, Aminabad, Lucknow, U.P.

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Neithani Collection.

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Name - Saraswati chandra srivastava

class - बी ए

Subject - translation

सरस्वती चन्द्र श्रीवास्तवा

B.A. 2

translation copy

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मेडीशन = ध्यान

कन्शन्ट्रेशन = ध्यान लग जाता है

पेनी टेशन = ध्यान स्थिर हो कर पक्का हो

ट्रान्सफार्मेशन = अपने शब्द को कहीं भेज सकता है।

सवली मेशन = जहां चोट मिल जाता है,

फिजीकलवाडी = अन्न मय कोश
एयर फार्मेशन = वायु मय कोश
नालेज फार्मेशन = ज्ञान मय कोश
साइन्टीफिक फार्मेशन = विज्ञान मय कोश
विलिस = आनन्द मय कोष

मूलाधार : मणिपूरक
स्वाधिष्ठान : विशुद्ध चक्र
सहस्त्रसार : आनन्द मय कोष

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

28-7-21

Affirmative sen.

Present Indefinite tens.

(1) जिस काल मे वाक्य का, तो से आदि से प्रारंभ होते हैं।

(2) I, We, you अर्थात plural noun के साथ verb की first प्रयोग करते हैं। Such- I, you to, should

(3) He, she अर्थात singular nouns के साथ s या es लगाकर verb की first form नहीं होता

Negative sen.

1. He, she अर्थात nouns के साथ does not
   या I, we, you अर्थात Plural nouns के साथ
   do not का प्रयोग करते हैं।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

(2) कभी नहीं के लिए का प्रयोग किया जाता है,
never.
never के साथ do या does नहीं का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Interrogative sen.

यदि प्रश्नवाचक वाक्य में सबसे पहले क्या 'है तो singular noun के साथ Does तथा plural nouns के साथ do लगाकर verb की first form का प्रयोग करते हैं। Do या Does का प्रयोग subject से पहले होगा।

---

(2) यदि प्रश्नवाचक वाक्य के बीच में क्यों, कहाँ, कब आदि हो तो
Why, when आदि का प्रयोग पहले करके Do या Does का प्रयोग बाद में होगा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

(3) यदि प्रश्नवाचक वाक्य निषेधात्मक है तो subject के बाद not का प्रयोग बाद में होगा।

(4) प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक चिन्ह (?) अवश्य लगेगा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

4-8-23

Ex.

Translation into Hindi –

ये गीता संदीप वहाँ पर हैं। वे मेरे पड़ोसी हैं। राकेश गीता का चचेरा भाई है। वह एक किताब पढ़ रहा है। यह एक छोटी किताब है। गीता किताब नहीं पढ़ रही है। वह एक गुड़िया बना रही है। राजे गीता का भाई है। वह पतंग उड़ा रहा है। मैं एक सेब खा रहा हूँ। मैं पतंग नहीं उड़ा रहा हूँ। सेब बहुत मीठा है।

1050	0	0
1050	3630	3540
3940	3230	
5520		
3540		

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

4.8.23

Ex2

Translation into Hindi-

अमित उमा अनिल कमरे में बैठे हुए हैं उनके सामने एक मेज है। उमा अमित और अनिल के बीच में बैठी हुई है। वह मेज पर बैठी है। अनिल दूध पी रहा है। उसका ग्लास उसके हाथ में है। अमित कुछ खा रहा है। प्लेट में चार केले हैं। उमा केले खा रही है। यह उसके हाथ में है। उनका कुत्ता उनके पीछे खड़ा है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Translation into Hindi · Ex-3

मोती एक मछुआरा है। वह नदी के किनारे पर है। वह मछली पकड़ रहा है। उसकी बंसी उसके हाथ में है। उसका थैला जमीन पर है। वह आज सुबह नदी के किनारे आया। वह नदी के किनारे से बाजार जाएगा। वह वहाँ मछली बेचेगा।

Ex-4

Translation into Hindi — एक बन्दर ने एक कमरे में रखे जार को देखा। उस जार में अखरोट थे। उसने अपना हाथ जार में डाला और मुट्ठी भर अखरोट लिए। जार का मुंह सँकरा था इसलिए उसका हाथ बाहर नहीं निकल सका। उसने अखरोटों को छोड़कर अपना हाथ बाहर निकाल लिया।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

18-8-23

Ex-5 Past Indefinite tense.

Rule No 1 Affirmative sen. में वाक्य के प्रारंभ में subject तथा उसके पश्चात verb की second form का प्रयोग करते है। Suchas- He went to the market. यदि वाक्य के दबाव देकर कहा हो तो verb की first form के साथ did का प्रयोग करते है। Suchas He did abuse me.

Rule No-2 Negative sen. में verb की first form के पूर्व did not का प्रयोग करते है। Suchas. I did not go to school. कभी नहीं के लिए verb की second form के पूर्व never का प्रयोग करते है। Suchas- I never told a lie.

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Rule No-3 Interrogative sen. में प्रश्नवाचक

शब्द वाक्य के प्रारंभ में होता है। subject के पहले Did का प्रयोग करते हैं Suchas- Did you help Rakesh.?

यदि प्रश्नवाचक शब्द वाक्य के बीच में हो। तो ~~इसके~~ उसको पूर्व वाक्य के ~~प्रारंभ~~ में Did से पूर्व प्रयोग करते है।

Suchas- when did you go to home?

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

25/8/23

Ex-5

Translation into Hindi –

अतुल एक डाक्टर है। वह आज सुबह पाँच बजे उठा। वह सात बजे डाक्टर गया। वह दोपहर बाद लौटेगा। वह शनिवार को अपने गाँव जायेगा और सोमवार को लौटेगा। उसका भाई लखनऊ में है। अगले महीने वह लखनऊ जायेगा। उसका चचेरा भाई दिल्ली में है। पिछले महीने वह दिल्ली गया।

Ex-6

Translation into English –

My friends were in the fair yesterday. I was not there. You were in the garden.

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Your sister was in the school yesterday. evening she was was making a doll. I was flying a kite.

Ex-7.

Yesterday we went to the zoo. we stopped at the gate. A man opened the gate. We saw many animals and birds there. We saw also monkeys. They were jumping about after then we went to the elephant. There was also a very big elephant. Ite was trumpetting after then we went to the deer.

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

26/8/23

Ex 8

Translation into english-

Amit: Is this your book?

Anil: No, This is not mine.

Amit: Did Ravi go to cinema yesterday.

Anil: Yes, He went to cinema yesterday.

Amit: Will you go to cinema today?

Anil: No, I will not go today.

Amit: Will you go tomorrow?

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Anil: Yes, I shall go tomorrow.

Ex-9.

Translation into eng.

The day before yesterday Lila and her elder brother were at their room. They did not teach Rita. Rita did not learn her lesson yesterday. He draw the pictures. His younger brother

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Blew a kite.

Ex-10

Translation into eng.-

Teacher: What are you doing?

Ravi: I am a reading a book.

Teacher: Where did you go yesterday?

Ravi: I went there at 4:0 clock.

Teacher: When will will you go to your home?

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Ravi: I shall go ~~to home~~ at 5 o clock.

Teacher:- What will you bring in this bag?

Ravi: I shall bring vegetable in it.

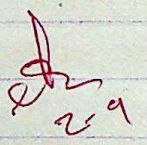

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

25/8/23

Translation

बच्चे पार्क में खेलते हैं।

(1)

Ans- Children play in the ground.

क्या गौयें घास खाती हैं?

(2)

Ans- Do cows eat grass?

दूधवाला दूध लाता है।

(3)

Ans. The milkman brings milk.

(4) क्या मछलियाँ पानी में तैरती हैं?

Ans- Do fish swim in the water?

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

(5) हम बाजार नहीं जाते हैं

Ans. We do not go to the market.

---

(6) वह अपनी कक्षा में नहीं जाती है।

Ans. She does not go to her class.

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

8/9/05

Future Indefinite Tense-

Rule No-1 - Affirmative sen. में I, We के साथ You, They आदि Plural forms अन्य सब Singular के साथ will का प्रयोग करते हैं।

Eg- I shall go to school.

यदि वाक्य में संकल्प, आदेश, वचन, विश्वास आदि प्रकट हो तो I, We के साथ तथा अन्य सब कर्ताओं के साथ shall लगाकर Verb की first form का प्रयोग करते हैं।

जैसे- हम यह काम अवश्य करेंगे। (We will do this work)

Rule No-2 Neg sen. में will

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

के बाद not लगाते है। कभी नही
shall के लिए (never) का प्रयोग होगा।

Sachas They will never go to the market.

Pull-No-3 - Interrogative sn. में यदि प्रश्नसूचक शब्द वाक्य के प्रारंभ में से हो तो shall या will का पहले प्रयोग होगा। Sachas - shall I go to the temple daily?

यदि प्रश्नसूचक शब्द वाक्य के बीच में हो तो
वाक्यांत बाद में
Cng. पहले will या shall
का प्रयोग करते है। Sachas - Where would you wait for me?

15.9

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

॥ अनुभूतियां ॥

अन्नमय कोष - में स्थूल पदार्थों से राग
वायुमय कोष = ऊर्ध्वगामी होता है।
ज्ञानमय कोष = सब कुछ जानने की उत्सुकता
विज्ञानमय कोषमें = किसी बात को गहराई से
जानने की इच्छा
आनन्दमयकोषमें = अद्वैत होजाता है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

गुरुद्वारा रोड में
चौक के आगे है
मुख्य बाग में जिन्नात
की तारवा

11

ज़ाबी = हवा
वादी = पानी
खाकी = खाक से
जलाली = ज़ाग्नि से

वेले की माला वर्फी
इतर वेला चमेली हिना
दो रुक मोमबत्ती चढ़ा दे
अगर बत्ती भी जला दे। पूजा
के बाद ज़ाजीलगोद। लिख दे
बृहस्पती को करे।
५ बृहस्पति तक जाय

तीन श्रेणी के होते हैं
जिन्दी तो। जिन्द जिन्नात सीधे होते हैं
खबीश उग्र होते हैं। यह
गन्दे अनुभव कराते हैं।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मैसूर में
विन्द्रावन
गार्डन

बाम्बे में महालक्ष्मी स्मशान है।
हाजी मलंग पीर का स्थान है।
अजमेर में चिस्ती साह की मजार है।

सुमुद
गुप्ता
बहराइच
सत्संगी
महिला है
जगह २ कीर्तन
जाती हैं।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मैं सोचता हूं कहीं कहीं कहीं सामने सुअर का मांस मिलता है जहां मछली मिलती है उसी के के बांधे साइड में दुकान है (कालिका पिंगरी)
भूतग्रसित लोगों को कलाई में बांध देना चाहिये सरसों को धूनी दे (ॐ नमः महाकालाय नमः)
(ॐ नमः महाकालाय) (ह्यौं) भी एकाक्षरी महाकाल का मंत्र है। (ह्यौं) एकाक्षरी शिवजी का है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

क्षमा प्रार्थना

गतिस्त्वं ~~गतिस्त्वं~~ गतिस्त्वं त्वमेका भवानी
नतातो नमाता न बन्धुर्नदाता नजाया नविद्या।
नकिर्तिर्ममैव गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानी॥

भवाब्धपारे महादुःखभीरु: प्रपात: प्रकामी
प्रलोभी प्रमत्त: ~~पुपात~~ कुसंसार पाश: प्रबद्ध:
सदाऽहं। गतिस्त्वं०

नजानामि ~~योगं~~ दानं न चन्यास योगं नजानामि
तन्त्रं न च स्तोत्र मन्त्रं नजानामि पूजां न ध्यान
पुण्य न दानानि
जीत योगं॥ न जानामि तीर्थं न जानामि मुक्तिं लयं वा
कदाचित्। नजानामि मुक्तिं वृतं वाऽजीतत्
गतिस्त्वं०

कुकर्मी कुसंगी कुबुद्धी कुदास: कुलाचार
हीन: कदाचारलीन: कुदृष्टि कुवाक्य:
प्रबन्ध: सदाऽहं॥ गतिस्त्वं०

प्रजेशं महेशं सुरेशं रमेशं दिनेशं निशीथेश्वरं
वा कदाचित् न जानामि चान्यत् सदाऽहं
शरण्ये गतिस्त्वं०

विषादे विवादे प्रमोदे प्रवासे जले चानले पर्वते
शत्रुमध्ये अरण्ये शरण्यं सदा मां प्रपाही॥ गति०

अनाथो दरिद्रो जराराग युक्तो सदाऽहं शीणदीन:
~~सदा~~ सदा जाड्य वक्त्र: विपत्तौ प्रविष्ट:

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri
CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

प्रणष्टः सदाऽहं जातिस्त्वं ।

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मीनाक्षी देव्यै गुप्तार्थै एवं रामकिशनगुप्तस्य
स्तम्भन जन्य सम

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

र सूर्य सौम्यायने वसन्तुऋतु:
क्षे मंगल वासरे पंचम्यां तिथौ
दुपरिज्ञनुराधा नक्षत्रे हर्षणयोगे
कौलव करणे तदुपरि तैतिल करणे
ं वृश्चिक राश्यिते गुरौ
।स्थान स्थितेषु सत्सु एवं
विशिष्टायां ग्रहं कमला
म्भव गोत्रोत्पन्न कौलोहं
लोक कल्याणार्थं
सनार्थे, स्मशानं मुण्ड
ग्रहं वारण दीयतां

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

२०५१ सम्बत्सर सूर्य सौम्यायने बसन्तु ऋतु:
चैत्र मासे कृष्णा पक्षे मंगल वासरे पंचम्यां तिथौ
बिसाखा नक्षत्रे तदुपरि अनुराधा नक्षत्रे हर्षण योगे
तदुपरि बज्र योगे कौलव कर्णे तदुपरि तैतिल कर्णे
मीन राशिथते सूर्ये वृश्चिक राशिथते गुरौ
शेषेषु गृहेषु यथा स्थान स्थितेषु सत्सु एवं
ग्रहगण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्य तिथौ
सरकार नामाहं साम्भव गोत्रोत्पन्न कौलोहं
श्री महाकाल प्रसन्नार्थे लोक कल्याणार्थे श्मशानं भुण्ड
सेविते फलं मम शुभ पुण्य वरण दीयतां

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ क्रीं क्रीं क्रीं चामुण्डायै विच्चे ।3

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

दिग्बन्धम्

ॐ नमो भगवते महेन्द्राय ऐरावतारूढ़ वज्र हस्त परिवार-सहित दिग्देवताधिपति ऐन्द्र मण्डलं बन्धनाय स्वाहा। ॐ ऐन्द्र मण्डलं बन्ध-बन्ध रक्ष रक्ष माचल माचल माक्रम्य माक्रम्य स्वाहा। ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रूं ह्रूं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रौं क्रीं क्लूं क्लेंक्रों क्रः स्वाहा। ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ ऐं वायवे स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा। ॐ अग्नि दिशायां मृगारूढ़ शक्ति हस्त परिवार सहित दिग्देवताधिपतये अग्नि मण्डलम बंधनाय स्वाहा। ~~ॐ अग्नि~~

ॐ अग्नि मण्डलं बन्ध बन्ध रक्ष रक्ष माचल माचल माक्रम्य माक्रम्य स्वाहा। ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रूं ह्रूं ह्रौं ह्रः स्वाहा

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा ।
ॐ नमो भैरवाय स्वाहा । ॐ नमो
भगवते रुद्राय स्वाहा । ॐ गणेश्वराय
स्वाहा । ॐ नमो दुर्गायै ह्रीं स्वाहा ।
~~ॐ गणेश्वराय स्वाहा~~ । ॐ दक्षिण-
दिशा यां प्रेतासन रवड गदहस्तं परिवार
सहितं दिग्देवाधिपतिं दक्षिणमण्डलं
वदनाभि स्वाहा । ॐ दक्षिण मण्डलं
बन्ध-बन्ध रक्षा रक्षा, माचल माचल
माकृष्य माकृष्य स्वाहा । ॐ ह्रां ह्रीं
ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा । ॐ क्रां क्रीं क्रूं
क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा ।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ महेन्द्र दिशायां ऐरावता रूढा
हेमवर्णा: वज्र हस्ता इन्द्रो देवता
परिवार सहितं दिग्देवाधिपतिं मण्डलं
वध्नामि स्वाहा ॐ ऐन्द्र मण्डं वन्ध रक्ष
रक्ष माचल२ आक्रम्य२ स्वाहा। ॐ
ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं
क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा ॐ नमो भगवते
रुद्राय स्वाहा। ॐ भैरवाय स्वाहा। ॐ
नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो
दुर्गायै नमः स्वाहा" ॐ अग्नि दिशायां
अग्नि देवता मेषारुढा रक्त वर्णा:
ज्वाल हस्ता परिवार सहितं दिग्देवता
धिपतिं अग्नि मंडलम वध्नामि स्वाहा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ अग्नि मण्डलं बन्ध बन्ध रक्ष २
माचल २ आक्रम्य २ स्वाहा । ॐ
ह्रां ह्रीं हूं ह्रैं ह्रौं स्वाहा । ॐ क्रां क्रीं
क्रूं क्रैं क्रौं स्वाहा ॥ ॐ नमो भैरवाय
स्वाहा । ॐ नमो भगवते रुद्राय
स्वाहा । ॐ नमो गणेश्वराय
स्वाहा ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा
। ॐ दक्षिण दिशा यां यमो
देवता महिषारुढा नील वर्णा: दण्ड
हस्ता सरिवार सहितं । दिग्देवताधि
पतिं दक्षिण मंडलं बन्ध २ रक्ष २
माचल २ आक्रम्य २ स्वाहा । ॐ ह्रां
ह्रीं हूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा । ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं
क्रौं स्वाहा

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Mathur Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ नमो भैरवाय स्वाहा। ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

ॐ नैऋत्य दिशायां नैऋत्य देवता प्रेत रुढ़ा श्याम वर्णा; खड्ग हस्ता सपरिवार सहितं दिग्देवताधिपतिं बन्ध २ रक्ष २ माचल २ प्राक्रम्य २ स्वाहा। ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा। ॐ नमो भैरवाय स्वाहा। ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

ॐ पश्चिम दिशायां वरुणो देवता श्वेत वर्णा: पाश हस्ता वरुणो देवता सपरिवार सहितं दिग्देवताधिपतिं वरुण मण्डलं बद्धनाभि स्वाहा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वरुणमंडलम् बन्ध २ रक्ष २
माचल २ ग्राक्रम्य २ स्वाहा। ॐ
ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं
क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा। ॐ नमो भैरवाय
स्वाहा। ॐ नमो भगवते रुद्राय
स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वरायस्वाहा
ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

वायव्यामदिशायां॥ वायुदेवता मृगा
रुढा धूम्रवर्णाः ध्वजहस्ता वायु
देवता सपरिवार सहितं दिग्देवता
धिपतिं वायुमंडलम बद्धनामि
स्वाहा। वायर्मण्डलम बन्धं २ रक्ष २
माचल २ ग्राक्रम्य २ स्वाहा। ॐ ह्रां
ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं
क्रौं क्रः स्वाहा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ नमो भैरवाय स्वाहा। ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

उत्तरदिशायां = कुबेरो देवता अश्वारुढा पीतवर्णा: गदाकुशहस्ता: सपरिवार सहितं दिग्देवता पीतं कुबेर मंडलम् बद्धनामिस्वाहा॥ कुबेर मण्डलं बन्ध बन्ध रक्ष२ माचल२ आकर्षय२ स्वाहा ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा॥ ॐ भैरवाय स्वाहा॥ ॐ गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा॥

ईशानदिशायां = ईशानो देवता वृषभा रुढा स्फटिक वर्णा त्रिशूलहस्तः

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सपरिवार सहितं दिग्देवताधि
पतिं ईशान मण्डलं बध्नामि स्वाहा
ईशान मण्डलं बन्ध २ रक्ष २ स्थह।

माचल २ आक्रम्य २ स्वाहा। ॐ ह्रां ह्रीं
हूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं
क्रः स्वाहा। ॐ भैरवाय स्वाहा। ॐ नमो
भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो
गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै
नमः स्वाहा।

ॐ ऊर्ध्वायां दिशि = ब्रह्मा देवता हंसः
रुद्रा रक्त वर्णा: कमण्डलु हस्तं
ब्रह्मो देवता सपरिवार सहितं
दिग्देवताधिपतिं ब्रह्म मण्डलं बध्नामि
स्वाहा। ब्रह्ममंडलम् बन्ध २ रक्ष २ माचल
माचल आक्रम्य २ स्वाहा। ॐ ह्रां ह्रीं हूं ह्रैं
ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं क्रः
स्वाहा। ॐ नमो भैरवाय स्वाहा।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रथम्यां दिशायां = वासुकी देवता कूर्मो रुढ़ा पद्म हस्तः वासुकी देवता सपरिवार सहितं दिग्देवताधिपतिं वासुकी मण्डलं बद्धनामि स्वाहा। वासुकी मण्डलं बन्ध बन्ध २ रक्ष २ माचल २ प्रक्रम्य २ स्वाहा। ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः स्वाहा। ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं क्रः स्वाहा। ॐ भैरवाय स्वाहा ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा। ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा। ॐ नमो दुर्गायै नमः स्वाहा।

प्राक्तन्तर दिशायां = विष्णु देवता गरुडा रुढ़ा श्यामवर्णा: चक्र हस्तः सपरिवार सहितं दिग्देवताधिपतिं विष्णुः मंण्डलं बद्धनामि स्वाहा। विष्णु

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मण्डलं बन्ध २ रक्ष २ माचल २
ज्वाक्रम्य २ स्वाहा ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं
ह्रौं ह्रः स्वाहा । ॐ क्रां क्रीं क्रूं क्रैं क्रौं
स्वाहा । ॐ नमो भैरवाय स्वाहा ।
ॐ नमो भगवते रुद्राय स्वाहा ।
ॐ नमो गणेश्वराय स्वाहा । ॐ
नमो दुर्गायै नमः स्वाहा । ॐ
दुर्गे महाशक्ति भूत प्रेत पिशाच
राक्षस ब्रह्मराक्षस बैताल
वृश्चिक भय विनाशनाय स्वाहा ।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

होलिका दहन ~~नवमी~~ दि. के बाद

सूर्य सौम्यायने शिशिर ऋतु: रवि वासरे
चतुर्दश्याम तिथौ तदुपरि पूर्णिमायां तिथौ
पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रे तदुपरि उत्तरा फाल्गुनी
नक्षत्रे गण्ड योगे व व करणे तदुपरि भद्रि नक्षत्रे
मीन राशिते सूर्ये मकर राशिते गुरौ

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

॥ कारण साधन ॥

अपने दाहिने भाग में त्रिकोण वृत्त चतुरस्र मंडल बनावे फिर समानार्घ्य पात्र मंडल स्थापन करे। यन्त्र पर पात्र धरे पूजन करे। यन्त्र पर त्रिपदी रक्खे और पहले त्रिपदी का पूजन करे, इस मन्त्र से (ॐ मं महिमंडलाय नमः धर्म प्रद दश कलात्मने नमः) इस मन्त्र को बोल फट् बोल कर शंख धो कर रक्खे। फिर शंख का पूजन करे। यह बोल कर। (ॐ सं सूर्य मण्डलाय सूर्य प्रद द्वादश कलात्मने श्री बाला त्रिपुरायासमान्यार्घ्य पात्राय नमः ॐ यं नमः) बोल कर शुद्ध जल भरे॥ फिर (ॐ उं सोम मण्डलाय काम प्रद षोडश कलात्मने श्री बाला त्रिपुरायाः समान्यार्घ्य पात्र द्रव्याय नमः) बोल कर शंख के जल का पूजन करे। तर्जनी अंगूठे से जल में से एक फूल ले कर घुमावे।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ओर (गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती
नर्वदे सिन्धु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु)
बोल कर अंकुश मुद्रा दिखाते हुए सूर्य की
तरफ इशारा करे सब तीर्थों का जल का
आवाहन करे। उस जल में गन्धपुष्प चावल
धूप दीप नैवेद्य आचमनी करा दे। (ॐ क्लीं सौः
मंत्र पढ़ कर) फिर वरुण बीज (वं) ८ बार
जल में जप करदे। धेनु मुद्रा दिखादे। मत्स्य
मुद्रा से जल ढांक दे। योनी मुद्रा से नमस्कार
करे। इस तरह समानार्घ्य तैयार होता है।
इसी जल को हर प्रयोग में काम में लावे

कलश स्थापन में पहले हर द्रव्यों
का शोधन करे। समानार्घ्य के जल से
अपने वाम भाग में एक उपर की तरह
यन्त्र बना कर (ॐ ह्रीं आधार शक्तियेनमः
मंत्र से यन्त्र पूजन करे पहले। समानार्घ्य
का जल से फूल से छिड़क दे शुरु में।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

त्रिपदी धोवे फिर
फट् बोलते हुए पहले कलश धोवे
त्रिपदी को यन्त्र पर जब रक्खे तो
(ॐ रं वह्नि मंडलाय धर्म प्रद द्वादश
कलात्मने नमः) को बोल कर त्रिपदी
का पूजन करे। पश्चात फट् बोल
कर कलश धोवे (नमः) बोल के
त्रिपदी पर कलश रक्खे, फिर उस
कलश में सूर्य मंडल का पूजन
करे इस मंत्र से (ॐ सं सं सूर्य मंडलाय
सं सं सं सूर्य प्रद द्वादश कलाय नमः)
फिर उस कलश में धारा भरे।
फट् बोलता रहे। कलश भर के

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

चार क्रिया करे।
वौषट बोल के कलश देखे
फट् बोल के रक्षा करे।
वषट बोल के शुद्ध करे।
स्वाहा ।। ।। पूजन करे।
(पश्चात् दश दोष कारण के निवारण करे
ॐ ह्रीं श्रीं गीं हंसरव्फ्रें पथिक देवताभ्यो
। हुं फट् स्वाहा। 3 वार पढे।।
ॐ ह्रीं हंसरव्फ्रें अस्फालि ग्राम चण्डालिनी
। हुं फट् स्वाहा। 3 वार।
ॐ ह्रीं हंसरव्फ्रें स्पर्श चण्डालि हुं फट्
। स्वाहा। तीन वार।
ॐ ह्रीं श्रीं हंसरव्फ्रें दृष्टि चण्डालिनी
हुं फट् स्वाहा।
ॐ ह्रीं श्रीं हंसरव्फ्रें क्रोध चण्डालिनी
। हुं फट् स्वाहा। 3 वार

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ऊं ह्रीं श्रीं हसरव्रें सृष्टि चण्डालिनी
। हुं फट् स्वाहा। 3 बार

ऊं ह्रीं श्रीं प्रों क्रों क्लीं हसरव्रें घट
चण्डालिनी हुं फट् स्वाहा।। 3 बार

ऊं ह्रीं श्रीं हसरव्रें तापन बेध चण्डालिनी
। हुं फट् स्वाहा। 3 बार

ऊं ह्रीं श्रीं निर्दोष चण्डालिनी हुं फट्
स्वाहा। 3 बार

ऊं ह्रीं श्रीं हसरव्रें पशु पाश चण्डालिनी
। हुं फट् स्वाहा। 3 बार

ऊं ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः क्षुरिके ज्वालि
शोभने विकारान् ग्रस्य द्रव्यस्य
हर हर स्वाहा।। 3 बार

पश्चात निम्न मन्त्रोंसे
शुद्ध पोथन्ना लेवे।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Vaithan Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ एकमेव परब्रह्म स्थूल सूक्ष्म मयध्रुवं
ऋचोदभवा ब्रह्महत्या तेनते ॐ वेदानां
प्रणवो बीजं ब्रह्मानन्दमयं यदि तेनसत्येन
हे देवि ब्रह्म शापं व्यपोहति।

ॐ वां वीं वूं वैवौं वः ब्रह्म शापविमोचिताये
सुधा देव्यै नमः। ॐ सूर्य मण्डलसम्भूते
वरुणालय सम्भवे। अमा बीजमये देवि
शुक्र शापाद विमुच्यताम्॥१०बार

ॐ शां शीं शूं शै शौं शः शुक्र शापाद
विमोचिताये। सुधा देव्यै नमः॥१०बार

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं क्लीं कूं कैं कौं कः सुरे
कृष्णा शाप विमोचय २ अमृत स्रावय
स्रावय स्वाहा॥१२बार

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ रां रीं रुं रैं रौं रः रुद्र शाप
विमोचिताये सुधा देव्यै नमः ॥
॥ १६ वार जपे ॥

ॐ पवमानः परानन्दः पवमानः
परो रसः । पवमानं परम ज्ञानं
तेन ते पावयाम्यहम् ॥ ३ बार जपे

ॐ कृष्णा शापाद् विमुक्ता त्वं विमुक्ता
ब्रह्म शापतः । विमुक्ता रुद्र शापाच्च
पवित्रा भव साम्प्रतम् ॥ ३ वार

॥ शिरस्करणी विद्या पटे ॥

नील हयं समधि रुहयम् पुरः
प्रयान्ती । नीलां शुकाभरण मालः
विलेपमाद्यां निद्रा पटेन

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भुवनानि निरोद्धयान। खड्गायुधा
भगवती परिपातु भक्तान॥ ॐ ह्रीं क्लीं
नमो भगवती माहेश्वरि सर्व पशुजन
मन श्चक्षुः त्रिस्करणि कुरु २ स्वाहा॥
ॐ ह्रीं परमप्रकाशिनी परमाकाश शून्य
निवासिनी सूर्य चन्द्राग्नि भक्षिणी पात्रं
विश विश स्वाहा। इस प्रकार कारण शोधन करे
॥ विलोम मातृका॥
क्षं लं हं सं षं शं वं लं रं यं मं भं बं फं पं नं
धं दं थं तं णं ढं डं ठं टं अं मं जं छं चं डं
घं गं खं कं ऋॄं ऌॡं ओं औं ऐं ईं ऊं ॠं
ॐ उं ईं इं ओं औं मूल मंत्र पढ़ कर कारण
के कलश को पूर्णा भर दे। लाल वस्त्र से
ढांक दे। लाल पुष्प माला गले में पहनादे

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कलश पर लाल चन्दन का लेप करे
उस कलश को जगदम्बा का
स्वरूप समझे। फिर कलश द्रव्य में
(ॐ सोम मण्डलाय षोडश कलात्मने
नमः मन्त्र से चन्द्र मण्डल का पूजन करे
द्रव्य के मध्य में त्रिकोण में पूजन करे।
हसौं मण्डलाय नमः बोल कर।
आनन्द भैरव भैरवी का ध्यान करे।

॥ ध्यान ॥

ॐ सूर्य कोटि प्रतीकाशं चन्द्र
कोटि सुशीतलम् । अष्टादश
भुजं देवं पंच वक्त्रान त्रिलोचनम्
अमृतार्णव मध्यस्थं । ब्रह्मपद्मो
स्थितम् । वृषा रुढं नील कण्ठं
सर्वाभरणा भूषितम् ।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कपाल खट्वांग धर घण्टाडमरुवादिनम्
पाशांकुश धरं देवं गदामूशलधारिणम्
खड्गं खेटकपट्टीशं मुद्गरं शूल दण्ड
धृक । बिचित्र खेटकं मुण्डं वरदाभय
धारिणाम् । लोहितं देव देवेशं भावयेत
साधकोत्तमः । ऊं ह्स क्षमलवर यूं
स ह्स रल्फ्रें सहौं सह क्षमलवर यीं
ज्ञानन्द भैरवाय शक्ति सहितं वषट्
पादुकां पूजियामि । से पूजन करे ।

। ध्यान ।

भावयेत सुधा देविचन्द्र कोटि युत
प्रभाम । हिम कुन्देन्दु धवलां पंच
वक्त्रां त्रिलोचनाम् । ज्ञष्टा दशभुजे
र्युक्तां सर्वानन्द करोद्यतांम् । महमन्ती
विशालाक्षी देव देवस्य सम्मुखीम् ।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ऊं ऐं ह्रीं श्रीं हंस ग्लफ्रें हंसौं हंस क्षमल
वरयीं ज्ञानन्द भैरवाय वौषट् ।।

ऐं प्लूं स्त्रीं जूं सः ज्ञमृते ज्ञमृतोद्भवे
ज्ञमृत वर्षिणी ज्ञमृत स्त्रावय २
स्वाहा । ८ बार जपे । वेद मंत्र भी जपे ।

ऊंहंसः शुचिवत व सुरन्तरिक्ष सद्धोता
वेदिषद् तिथिर्दुरोणा सत ।
नृषद्धर सद् ऋतु सद्व्योम ।
सद्ब्जा गोजा ऋतजा ऋद्रिजा
ऋतं ब्रहव

गायत्री ।

ऐं ह्रीं श्रीं ज्ञानन्द भैरवेश्वरीं विद्महे
सुधा देव्यै धी महि । तन्नो ऋर्ध
नारीश्वर प्रचोदयात् ।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ मधुवाता ऋतायते मधुक्षरन्ति
सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः
मधुनक्त मुतोषसो मधुमत्पार्थिवं। ॐ
रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता मधुमान्नो
वनस्पतिर्मधुमास्तु सूर्यः ~~माध्वीर्गावो~~
माध्वीर्गावो भवन्तुनः मधु मधु मधु
३ बार पढ़े कलश में हाथ रख कर।
बं बं बं, धेनु मुद्रा दिखावे।
यं 3 बोल कर मत्स्य मुद्रा दिखावे,
हुं 3 बोल कर ,ज़विगंठन करे, योनी
मुद्रा से ऐं वलीं सौं से नमस्कार करे

पहले रं वह्नि मण्डलाय धर्मप्रद द्वादश
कलात्मने श्री बाला त्रिपुरायाः नमः

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ सं सं सं कं मण्डलाय अर्क प्रद
द्वादश कलात्मने बाला त्रिपुरायाः
विशेषार्घ्य पात्राय नमः से पूजन करे।

ॐ सोम मण्डलाय काम प्रद षोडश
कलात्मने श्री बाला त्रिपुरायाः
बोल कर द्रव्य पूजन करे।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भूत प्रेत की जांच करे। आग लगाना। बिल्ली डालना दाल की बदबू जले मुर्दा की बदबू सिगरेट की बदबू। गंदी बदबू देने वाला गंदी आत्मा है समझो।

जो खुशबू देती है तो अच्छी आत्मा भी है कोई

मध्यम कोटि — शुद्ध शारीरिक बीमारी का रूप देगा।

उत्तम कोटि — में सेन्स लेस विचार शक्ती खतम हो जाती है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शुद्ध - भद्र (महाभद्र) को ब्रह्म का हिस्सा है
भद्र शरीर पर प्रभाव करता है
शुद्ध नाता वरण पर प्रभाव करता है,

ब्रह्म शनि और जिम्मेदार

नहाता धोता रहता है पूजा करता रहता है
महाभद्र दिमाग पर प्रभाव करता है,
रोता हसता भी है, अट्टहास करता है,

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

जलकुल आसन के नीचे

तन्त्रसार का मत है।

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

पृथ्वी पूजन मन्त्र

समुद्रवसने देवि पर्वतस्तन
स्वरूपया प्रकृतिकटीसम्यं पृथ्वी
त्वं नमस्तुभ्य पादस्पर्शं क्षमस्व
शिवे त्वांशिवे

आसन के नीचे जो महाकाल का षट्कोण बनेगा बीच में (लिं) लिखदे
महाकाली के आसन के नीचे (क्रीं)
महालक्ष्मी के आसन के नीचे (श्रीं)
महासरस्वती के नीचे (ऐं) लिखदे।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

काली कवच

अथ श्री महाकाली वशिष्ठ ऋषिः
मार्जन महाकाली महा देवता वशिष्ठापो
मार्जने विनियोग (ॐ सोऽहं वार्ता मम
ज्योतिर्ज्ञा ज्ञादेवी शुक्रः शारदे सर्वे
साम्भवी लोक्यं ॐ देवी रक्षन्तु पाप
पुनः पुनः देवी त्वम् मक्र लुलभे महा काल
विनश्यति महा काले इष्यते विश्वं
विश्व महा नमाम्यहम् अथ काली
मार्जन विनियोग = कवच ॥

ॐ महाकाल वृहस्पति ऋषिः महाकाल
देवतायाः कवचं पठेत् ज्ञाज्ञो हिष्टा
मयो भुवः ॐ तव कुर्जं धातेंका
ङ्गं मेह स्व चक्षुसे ॐ शक्तिः महा
माये सर्व योग प्रदायते ॐ तीरीव ॐ उस
मातरः ॐ तस्मा ज्ञतः महाकाले पुण्यं
ददातु स्मशानेते महा शक्ति महा काले काले
महा काल स्मशानेये यह कवचं पठेत

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

नित्यं श्रद्धा विश्वास प्रदायनी सर्व
पुण्य ददाति देव कवचं ते रक्षतांमम

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मंत्र कीलन

महाकाली महा देवि सर्व
श्मशान निवासिनी शवसन
निवासिनी। शिव शवे सदानंद
भक्ति मुक्ति प्रदायनी रक्षंतीम्
सदादेवी प्रेम रूपे सपरिवार
प्रम स्थाने स्थायित्व
प्रदायते बोल का चारों तरफ
तीन लाइन त्रिकोण की खींचे

त्रिकोण के तीनो तरफ यह लिखे नीचे लिखा है।

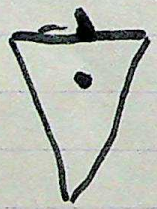

त्रिकोण मण्डल की प्राणायाम

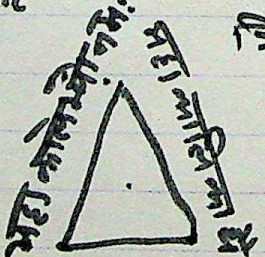

महास्थाने
श्वरी नमः

महा श्मसाने श्वरी नमः

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Nathani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

महाकाल का कपाल साधन

दन्त सहित मुण्ड होना चाहिये इसमें
५१ हजार जप होगा पूजा विधी वही
हवन विधी भी वही। श्मशान स्नान
लौटते समय पीली लम्बी लाठी बांये
हाथ से पीछे फेंकता जाये मुड़ कर ना
देखे। घर जो बुलावे जल्दी से
जल्दी स्नान से निकल जावे।

कवच : महाकाल का है।

प्रेतादि पति प्रेतानां पशुनां
पशुपति रक्षंतां श्मसानालय
सर्व बाधा प्रलयेनं सर्व काम
प्रदायेन रक्षंतामे महा काले सर्वे
गणः पूजिते महा काले रक्षति मम
बन्धस्य

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

नर मुण्ड को त्रिकोण पर विन्दु बना कर
यन्त्र पूजन करके उसपर रक्खे
दक्षिण मुख करके अपना मुख उत्तरमुख
करके बैठे मुण्ड को शुद्ध कर के रक्खे।
कालीजी का आवाहन करे।

फिर शीष पर अष्ट कमल दल बनावे
उसका पूजन करके उस पर घिराग जलावे
मिट्टी की दियाली में पर थोमुरवा दीया
रहे न बुझे इस लिये चिमनी ढाक दे।
फिर मुण्डपूजन करे पंचमकार से। फिर
सरसों पीली सामने रखदे। उसके सामने
बैठ कर १५ हजार जप इस बीज से करे।
दशांश हवन तर्पण मार्जन भी करे।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

निषिद्ध नहीं है।

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

५१ हजार जपविधि का प्रयोग तीन दिन का है। दशांद ५ हजार जुहुति है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

काली मन्त्र जप में

यह साधन नैवेद्य में पंचमकार हो दे।
१ दिन का मुण्ड पर साधन यह होगा। (प्रफुल्ल कमल दल मुण्डपर)
सिंदूर लाजत चौमुख दीप लालफूल
बाद में पुष्पांजली में सर्वद्रव्य हवन सामिग्री
तिल जौ चावल चीनी घी सेवनेगी।

एक नया हांड़ी उसमें चावल कारण ले
धुनेगा जल में पकेगा। बलि के बाद के
हिस्से को चावल में पकादे फिर पके
चावल को सामिग्री में मिलादे उससे
हवन को दशांश १५ सौ आहुति पड़ेगी
जप १५ हजार होगा।

एक कपाल पात्र में २५ ग्राम चावल
कारण से धुन कर कारण में पकावे
उसे एक पत्ते में धारण में को मुण्ड मुख
में या को खिलावे पेड़ा प्रसाद वही
ले आवे। मुण्ड को विसर्जन कर के घर ले
आवे रख

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

एक दिन का जप
है घट।

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

आवश्यकता हो तो महाकाल का ही आवाहन करे

१ हजार एक दिन में १५सौ हवि दे

प्रयोग करने समय = रोगी को या चाहे जैसे कार्य में दोहराने की लोड।

रक्त की बीमारी में १५सौ आहुति अनार का फल और को काम में लाकर हवन करे दुर्गा पूजन करे दुर्गा मन्त्र से करे।

रक्त की बीमारी में १५सौ आहुती दे बेल के पत्तों से करे बेल की ही समिधा रहे।

वायु की बीमारी में नीम की पत्ती काम मिला कर नीम की समिधा में हवन करे

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं आपदुद्धारणाय
अजामिल बन्धाय लोकेश्वराय
स्वर्णाकर्षण भम दारिद्र
विद्वेषणाय महा भैरवायनमः
ॐ श्रीं ह्रीं ऐं ॐ
तीन माला कम से कम
41 दिन पर
शराब व हवन
सामग्री से 101 चिताओं
पर हवन करके सि

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Vaithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रयोग में भैरवाय नमः के बाद
अमुकं कुरु अमुक कार्य सिद्धिं कुरु २
ॐ ह्रीं रें फट्

उज्जैन में महा भैरव जी का मंदिर है
ॐ वं वं वं ह्रां क्षौं महा
भैरवाय नमः

मंदिर की मूर्ति साक्षात वारुणी
पान कर लेती है। यह मंदिर
भैरव गढ़ में है।

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

एन्वोस कुमार प्रबन्धी ई
कैन्ट रोड लखनऊ निअर शुभम्
टाकीज ~~सन्तोष~~ के सामने (दुर्गा वारी)
हाई कोर्ट की सीनियर वकील।
क्रिमनल केश करते हैं।
केशी सोनरेखा C. 4/- 2 रीमर वैंक
कालोनी लखनऊ फो. न. २५१८४

कल्पना ~~सोनरेखा~~ लड़की का नाम
सोनरेखा

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

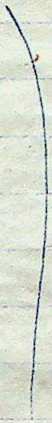

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Neithani Collection

Digitized by Sarayu Foundation Trust and eGangotri

☎ 237624

ALWAYS INSIST ON:

PARADISE DELUX

A QUALITY PRODUCTS OF

ALL KINDS OF EXERCISE BOOK

- ★ NOTE BOOK
- ★ REGISTER
- ★ PUNCH PAPER
- ★ FILES
- ★ DAY BOOK
- ★ DAIRIES
- ★ DUPLICATE BOOK
- ★ ZOOLOGY
- ★ BOTANY
- ★ PHYSICS & CHEMISTRY
- ★ GENERAL SCIENCE
- ★ HOME SCIENCE, Etc.,

Sole Depo.

Paradise Stationers,

OPP: Hotel Gulmarg,

Aminabad, Lucknow-226001 (U.P.)

No. 700 Rs. 9-00

CC-0. In Public Domain. Dr. Shailendra Kumar Naithani Collection